

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1614

बुधवार, 30 जुलाई, 2025 को उत्तर देने के लिए

उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र

1614. श्रीमती बिजुली कलिता मेधी:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एनईएसएसी) की 12वीं बैठक के दौरान क्षेत्र में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए किसी विशिष्ट पहल पर चर्चा की गई है;
- (ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या उत्तर पूर्वी राज्यों में युवाओं के लिए अंतरिक्ष-आधारित शिक्षा और शोध के अवसरों के विस्तार पर कोई ध्यान केंद्रित किया जा रहा है;
- (घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) सरकार एनईएसएसी की परियोजनाओं के लिए पर्याप्त वित्तपोषण और सहायता सुनिश्चित करने की योजना किस प्रकार बना रही है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) और (ख)

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में 21 दिसंबर, 2024 को अगरतला में आयोजित उत्तर-पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एनईएसएसी) सोसायटी की 12वीं बैठक के दौरान, क्षेत्र में विशिष्ट अनुप्रयोग संबंधी परियोजनाओं के अलावा अंतरिक्ष अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित पहलों पर चर्चा की गई:

- i. इसरो/अं.वि., पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) और संबंधित राज्य सरकारों के सहयोग से विज्ञान विषय के 800 युवा और प्रतिभाशाली छात्रों (प्रत्येक पूर्वोत्तर (एनई) राज्य से 100) को इसरो केंद्रों के दौरे की सुविधा प्रदान करेगा। इसके भाग के रूप में, सभी पूर्वोत्तर राज्यों के 200 छात्रों ने दो बैचों में इसरो की सुविधाओं के दौरे किए तथा अप्रैल और जून, 2025 के दौरान बेंगलूरु में वैज्ञानिकों के साथ वार्तालाप किया। 100 छात्रों का दौरा जुलाई 2025 में निर्धारित है और शेष 500 छात्र अगस्त-दिसंबर, 2025 के दौरान दौरा करेंगे।
- ii. एनईएसएसी सोसायटी 8 राज्यों में से प्रत्येक राज्य से कम से कम 25 विभागों द्वारा अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के उपयोग की दिशा में आवश्यक पहल करेगी।
- iii. कृषि, वानिकी, जल संसाधन, भूविज्ञान और शहरी विकास क्षेत्र जैसे प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के क्षेत्रों में अधिक अंतरिक्ष अनुप्रयोग परियोजनाएं शुरू की जाएंगी।

(ग) और (घ)

एनईएसएसी पूर्वोत्तर राज्यों के युवाओं को अंतरिक्ष-आधारित अनुसंधान में ज्ञान बढ़ाने के लिए (i) इंटरनशिप और (ii) छात्र परियोजना प्रशिक्षु के अवसर प्रदान कर रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से हर साल 15 से अधिक छात्र अपने बी.टेक./एम.टेक./एमएससी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुता और परियोजना प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

एनईएसएसी द्वारा सुदूर संवेदन की मूलभूत जानकारी, यूएवी सुदूर संवेदन और कृषि, वानिकी, भूविज्ञान, जियोवेब अनुप्रयोगों, अंतरिक्ष और वायुमंडलीय विज्ञान तथा उपग्रह संचार आदि विषयों पर भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के उपयोग पर निरंतर अनेक नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र के छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों को लाभ मिल रहा है।

हर साल पूर्वोत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य/केंद्र सरकार के विभागों, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सीएपीएफ/आईबी, असम सर्वेक्षण एवं निपटान प्रशिक्षण केंद्र और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 300 से अधिक प्रतिभागी एनईएसएसी में आयोजित नियमित और विशेष रूप से तैयार किए गए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी/अनुप्रयोग प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लेते हैं।

(ङ) एनईएसएसी को परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मुख्य रूप से अंतरिक्ष विभाग, एनईसी (एमडीओएनईआर) और राज्य सरकारों से आवश्यकतानुसार वित्तपोषण प्राप्त हो रहा है।